वुमेन आब्जर्वर

पाक्षिक

वुमेन ऑब्जर्वर
पाक्षिक
8/141, मालवीय नगर,
जयपुर-302017
मोबाइल - 08559873580, 09772222156.
ई मेल-womenobserver@gmail.com
womenobserver@yahoo.com

वर्ष : 26 अंक : 3 आर.एन.आई.नं. 63262/92 पो.रजि.नं. Jaipur City/208/2016-18 5 अगस्त, 2017 वार्षिक शुल्क : 50 रु. एक प्रति 2.00 रु. पृष्ठ 4

शिक्षा दिखाती सात पीढ़ी तक राह:भदेल

जयपुर (कासं)। एक व्यक्ति अथवा बच्चे के द्वारा प्राप्त शिक्षा उसकी आने वाली सात पीढ़ी तक राह दिखाती रहती है। यह बात महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने अजमेर जिले के खानपुरा और पर्वतपुरा में आंगनबाड़ी केन्द्रों के लोकार्पण समारोह में कही। इन आंगनबाड़ी केन्द्रों को हिन्दूस्तान जिंक तथा राजस्थान सरकार की खुशी परियोजना के अन्तर्गत नन्दघर के रूप में विकसित किया गया है।

श्रीमती अनिता भदेल ने कहा कि बालक-बालिकाओं की शिक्षा से जोड़ा जाना आवश्यक है। यह वर्तमान समय की आवश्यकता है। बच्चों के द्वारा शिक्षा अपनाने से उनकी आने वाली सात पीढ़ीयों का भविष्य संवर जाता है। बच्चों को शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाने में आंगनबाड़ी केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को अपनी मां का आंचल सबसे सुरक्षित जगह लगती है।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को पूर्व प्राथमिक पाठशाला के रूप में विकसित होने से बच्चों और अभिभावकों को बड़ा लाभ मिलेगा। बच्चे विद्यालय के वातावरण के प्रति सामंजस्य बिठा पाएंगे। आंगनबाड़ी केन्द्रों नन्दघर योजना में शामिल होने से बच्चों को खेल-खेल में सीखने की सुविधा प्राप्त होगी। वेदान्ता हिन्दूस्तान जिंक के सहयोग से दोनो आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधाएं प्राप्त हुई है। बच्चे

एलसीडी टीवी पर नयी विधाओं के साथ अध्ययन करेंगे। दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी से बच्चे पर्यावरण के बारे में जानकारी कर पाएंगे।

बच्चों को सिखाने वाली सामग्री आकर्षक तरीके से प्रस्तुत की गयी है। यह बच्चों को स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र सहित समस्त सार्वजनिक सम्पत्ति सबकी होती है। इनकी सुरक्षा समाज की जिम्मेदारी है। आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों को पंजीकरण करवाकर छोड़ना ही अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के सुचारू संचालन पर भी नजर रखी जानी चाहिए। पोषाहार का उपयोग सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। केन्द्र के माध्यम से बच्चों में आने वाले बदलाव पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय पार्षद रईस मौहम्मद को आंगनबाड़ी केन्द्र के नियमित निरीक्षण तथा उसकी रिपोर्ट व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध करवाने के निर्देश प्रदान किए।

वेदान्ता हिन्दूस्तान जिंक की सीएसआर प्रमुख निलीमा खैतान ने कहा कि कम्पनी द्वारा लगभग 300 केन्द्रों पर कार्य किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक प्ले स्कूल बनाने के लिए हर प्रकार से सहयोग प्रदान किया जाएगा। अजमेर में 10 केन्द्रों पर कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। 25 नए केन्द्रों को विकसित किया जाएगा।

लोकार्पण समारोह में नगर निगम के उप महापौर संपत सांखला ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र को प्ले स्कूल के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की योजना स्वागत योग्य है। अजमेर विकास प्राधिकरण के द्वारा सामुदायिक भवनों के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध करवाकर आंगनबाड़ी के लिए प्रदान करना एक मिसाल है।

हिन्दूस्तान जिंक के स्थानीय कायड़ ईकाई प्रमुख बलवंत सिंह राठौड़ ने कहा कि कार्यक्षेत्र के समुदाय को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना प्रत्येक कॉर्पोरेट हाउस का दायित्व है। स्थानीय पार्षद रईस मौहम्मद ने वार्ड के विकास पर अपने विचार व्यक्त किए। आईसीडीएस की उप निदेशक श्रीमती अनुपमा टेलर ने विभागीय सुविधाओं की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर अजमेर विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता राजेन्द्र कुड़ी, कार्यक्रम अधिकारी नितेश यादव, उधम सिंह नगर उत्तराखण्ड के दल के सदस्य, सोहन शर्मा सहित स्थानीय नागरिक, महिलाए एवं बच्चे उपस्थित थे।

संसद व विधानसभा में भी महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण: बैरागी

भिवानी (वि)। हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बैरागी ने कहा कि भाजपा सरकार पंचायत व निगम चुनाव की तर्ज पर विधायपालिका व संसद में 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिए जाने पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री संसद मे अध्यादेश लाकर महिलाओं 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का कानून पास करने को लेकर गम्भीर है। यह बात उन्होंने भिवानी में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के बाद आज देश में महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। महिलाओं को पुरूषों के समान दर्जा देने को लेकर आज पंचायत व निगम चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है, जिसे देश की बड़ी पंचायतों में भी लागू किए जाने को लेकर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा ने जिला व मण्डल स्तर पर कार्यकारिणी का गठन पूरा कर लिया है।

15 अगस्त से 15 सितंबर तक भाजपा महिला मोर्चा जिला स्तर पर महिलाओं के लिए संगोष्ठियों का आयोजन करेगा, जिसमें महिलाओं के उत्थान के लिए समाज के सर्वमान्य पदों पर काम करने वाले डॉक्टर, वकील, जज व अन्य क्षेत्रों के प्रबुद्ध लोगों का व्याख्यान करवाया जाएगा।

भाजपा महिला प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बैरागी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि शिशु को जन्म देने के दौरान माताओं की मृत्यु दर को कम करने के लिए जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं का आंगनबाड़ी केन्द्र पर रजिस्ट्रेशन करना प्रदेश सरकार ने सुनिश्चित किया है तथा गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए 6 हजार रुपए भी उनके खातों में डाले जा रहे है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा निरंतर काम कर रही है।

अन्तरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के नए दिशा-निर्देश

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना संचालन के लिए नवीन दिशा निर्देश जारी किये हैं जो 1 अगस्त, 2017 से प्रभावी होंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि नियमों में योजना के तहत जारी की जाने वाली प्रोत्साहन सहायता राशि का शत-प्रतिशत सदुपयोग को लेकर कड़े नियम बनाये गये हैं जिससे पात्र व्यक्तियों को ही योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने वाले युवक अथवा युवती द्वारा मिथ्या तथ्य, कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत करने अथवा किन्हीं तथ्यों को छिपाये जाने अथवा असत्य पाये जाने पर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवक अथवा युवती, जिसने किसी सवर्ण हिन्दू युवक अथवा युवती से, जो दोनों ही राजस्थान के मूल निवासी हों एवं युगल में से किसी की भी आयु 35 वर्ष से अधिक नहीं हो, और किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध न हो, से विवाह किया हो। अंतर्जातीय विवाह करने वाले युगल के विवाह के प्रमाण स्वरूप सक्षम प्राधिकरण या अधिकारी कार्यालय से जारी विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र हो व युगल की संयुक्त आय 2.50 लाख रुपये से अधिक न हो। साथ ही युगल द्वारा राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी भी समानान्तर योजना में कोई आर्थिक लाभ प्राप्त न किया हो। विवाह की दिनांक से एक वर्ष की अवधि में आवेदन पत्र प्राप्त होने तथा युवक व युवती के प्रथम विवाह पर ही इस योजना का लाभ देय है। योजनान्तर्गत विधवा महिला द्वारा पुनर्विवाह करने पर वह इस योजना का लाभ लेने की पात्र होगी बशर्ते युगल में से किसी ने पूर्व में इस योजना का लाभ प्राप्त नहीं किया हो।

स्तनपान से रहता है मां व नवजात दोनों का स्वास्थ्य सही: बजाज

भिवानी (वि)। महिलाओं को स्तनपान, बच्चे के पोषाहार व गर्भवती महिलाओं को खानपान के प्रति जागरूक करने के लिए सात अगस्त तक स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. संगीता तेतरवाल के मार्गदर्शन में सप्ताह के प्रथम दिन मंगलवार को स्थानीय डीआरडीए हॉल में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी व सुपरवाईजर के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उनको बताया गया कि वे इस अभियान के दौरान विशेषकर ग्रामीण अंचल की महिलाओं को जागरूक करें कि नवजात बच्चे को जन्म से छह महीने तक स्तनपान करवाएं। इससे न केवल बच्चा स्वस्थ रहता है बल्कि मां का स्वास्थ भी ठीक रहता है। यहां तक मां को कैंसर तक की बीमारी से लड़ने की क्षमता आती है।

कार्यशाला के दौरान चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल की उप सिविल सर्जन डॉ. मीना बरबर व महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी दीपिका बजाज ने मां व नवजात बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में उन्होंने बताया कि मां के दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, वसा, लैक्टोज, विटामिन, लोहा, मिनरल, पानी व इंजाइम शिशु की जरूरत के अनुसार होते हैं। मां का दूध दुषित जीवाणुओं से मुक्त होता है। स्तनपान से मां व बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध और अधिक विकसित होता है। स्तनपान प्रसव के दौरान होने वाले रक्तस्राव को भी रोकता है। मां का दूध बच्चे को संक्रामक रोगों दमा, एलर्जी व एक्जीमा से बचाता है, जो पहले टीके के रूप में काम करता है। इससे बच्चे का बेहतर विकास होता है। इसी प्रकार से स्तनपान करने वाले शिशु कम बीमार होते हैं। इसके विपरित बाजार के दूध से शिशु को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे संक्रामक रोग होने की संभावना बनी रहती है।

नियमित योग करने से होते हैं लाभ

भिवानी (वि)। स्थानीय नेहरू पार्क में पतंजलि योग पीठ योग प्रचारक प्रकल्प और नेता जी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति, युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन प्रात: 5 बजे से 7 बजे तक किया गया। जिसमें सानिध्य बालयोगी महंत चरणदास महाराज का रहा और मार्गदर्शन डा. मदन मानव का रहा। इस अवसर पर विशेष सहयोग राष्ट्रीय युवा पुरस्कार अवॉर्डी अशोक भारद्वाज का रहा। इस अवसर पर लगातार पांच दिन

तक योगाचार्य नवीन कुमार ने महिला और पुरुष को प्राणायाम शिखाए तथा मंडूकासन, गोमुखासन व ताड़ासन, आदि आसनों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ उन्होंने बताया कि आज की भाग दौड़ भरी जिन्दगी में केवल योग प्राणायाम के द्वारा ही शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। हमें योग को जीवन में अपनाना चाहिए। समापन अवसर पर अनेक महिलाओं ने भाग लिया। इससे पूर्व पुरुष के लिए शिविर लगाया गया था, दोनों कैम्प आज पूर्ण हुए, जिसमें लोगो को काफी लाभ मिला।

रक्तदान शिविर में 147 यूनिट रक्त एकत्रित

जयपुर (कासं)। सेवा के क्षेत्र में कार्यरत जैन सोशल ग्रुप पिंकपर्ल जयपुर द्वारा मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

अध्यक्ष विनय सोगाणी व सचिव मनीष सोगाणी ने बताया कि यह ग्रुप का प्रथम प्रयास था और उम्मीद से बेहतर सफलता हासिल करते हुये 147 युनिट एकत्रित हुई एवं लगभग 80 से अधिक महिलाओं और पुरूषों का मौसमी बिमारियों एवं बी पी कि वजह से रक्तदान नहीं लिया गया।

समन्वयक राजेश चौधरी के अनुसार इस अवसर पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप्स फेडरेशन की ओर से गौरममयी उपस्थिति महेंद्र पाटनी, अनिल, सुरेन्द्र पांडया, सुरेन्द्र कुमार पाटनी, अतुल बिलाला, राजेश बडजात्या और यश कमल अजमेरा एवं टीम विशेष रूप से उपस्थित हुई। साथ ही अब्दुल वहिद

अब्बास जिला अध्यक्ष कांग्रेस अल्पसंख्यक आयोग, प्रमोद बाकलीवाल, पार्षद औमसिंह, रमा देवी, रामकरण, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के अध्यक्ष चेतन निमोडिया व सचिव अजय साह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुये।

चिल्ड्रन फ्रेन्डली जिला बनेगा धौलपुर

जयपुर (कासं)। राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती मनन चतुर्वेदी ने धौलपुर कलेक्ट्रेट में जिला मजिस्ट्रेट शुचि त्यागी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर मनीष फौजदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसवन्त सिंह बालोत, सभी उपखण्ड मजिस्ट्रेट, पुलिस उप अधीक्षक, थानेदार व अन्य विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर बालकों के अधिकारों और कानूनों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जिले की स्थिति की समीक्षा की। जिला प्रमुख डॉ. धर्मपाल सिंह और मुख्यमंत्री महोदया के ओएसडी रतनलाल योगी भी बैठक में उपस्थित रहे।

श्रीमती चतुर्वेदी ने बताया कि धौलपुर को राज्य का पहला चिल्ड्रन फ्रेन्डली जिला बनायेंगे। कलेक्ट्रेट में सिंगल विन्डो सिस्टम का कार्यालय बनायेंगे। बच्चों

से सम्बन्धित किसी भी योजना के बारे में जानकारी लेनी हो, बच्चों के प्रति अत्याचार के किसी भी मामले में कानूनी सलाह लेनी हो, एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। समस्या को रजिस्टर कर इसकी ट्रेकिंग भी की जायेगी। जिले को बाल श्रम और बाल विवाह से शत प्रतिशत मुक्त किया जायेगा। एक भी बच्चा-बच्ची स्कूल से ड्रॉप आउट नहीं होगा। जिले के 5 गाँवों को बालकों के लिए आदर्श गाँव के रूप में विकसित किया जायेगा। कच्ची बस्तियों को फुलवारी का नाम देकर वहाँ रह रहे बच्चों की शिक्षा, आंगनबाडी, स्वास्थ्य का पूरा प्रबन्ध किया जायेगा।

अध्यक्ष ने बताया कि विद्यालयों में गठित बाल मंच और बाल संसद को सक्रिय करें। प्रत्येक शनिवार इनकी नियमित बैठक होनी चाहिये। बैठक में बच्चों की शिक्षा, उनकी समस्याओं पर चर्चा के साथ ही उन्हें पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम निषेध कानून, बाल विवाह के नुकसान की जानकारी दी जाये।

जिले के प्रत्येक ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति तथा 171 ग्राम पंचायतों में से 134 में ग्राम पंचायत स्तरीय बाल कल्याण समितियाँ गठित हो चुकी हैं। आयोग अध्यक्ष ने इनकी नियमित बैठकें कर बैठक कार्रवाई विवरण जिला प्रशासन और आयोग को भिजवाने के निर्देश दिए ताकि लिए गये निर्णयों की पालना में मदद की जा सके। इस वर्ष बालश्रम के 108 मामले सामने आये। इनमें से 2 मामलों में एफआईआर करवाई गई। चतुर्वेदी ने बताया कि बाल श्रम गम्भीर अपराध है। कोई भी मामला सामने आये, एफआईआर दर्ज करवाई जाये।

वृक्षारोपण कर दिया हरियाली और खुशहाली का संदेश

जयपुर (वि)। चिल्डन एकेड्मी सैकण्डरी स्कूल, बनीपार्क, स्पर्श विंग, जयपुर द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के द्वारा भी कैलाश पार्क, सुभाष नगर, शास्त्री नगर, जयपुर में वृक्षारोपण कर जन सामान्य व्यक्तियों को हरियाली और खुशहाली का संदेश दिया।

स्पर्श विंग की विशेष शिक्षिका स्नेहलता शर्मा ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को वृक्षारोपण का महत्व समझाया और वृक्षारोपण किया। इससे पूर्व भी स्काउट गाईड़ कार्यालय, बनीपार्क, जयपुर में वृक्षारोपण किया गया।

सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने विशेष शिक्षिका स्नेहलता शर्मा के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया और वृक्षारोपण कर जन सामान्य व्यक्तियों को हरियाली और खुशहाली का संदेश दिया।

सम्पादकीय

महिला सशक्तिकरण के मायने

महिला सशक्तिकरण की बात समाज में रह रहकर उठती रही है। महिला सशक्तिकरण का अर्थ कुछ इस प्रकार लगाया जाता है कि जैसे महिलाओं को किसी वर्ग विशेषकर पुरूष वर्ग का सामना करने के लिए सुदृढ किया जा रहा है। भारतीय समाज में प्राचीनकाल से ही नारी को पुरूष के समान अधिकार प्रदान किये गये हैं। उसे अपने जीवन की गरिमा को सुरक्षित रखने और सम्मानित जीवन जीने का पूर्ण अधिकार प्रदान किया गया। यहां तक कि शिक्षा और ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने और मुखरित करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गयी। महाभारत काल के पश्चात नारी की इस स्थिति में गिरावट आयी। उससे शिक्षा का मौलिक अधिकार छीन लिया गया। धीरे धीरे शूद्र, गंवार, पशु और नारी को ताड़ने के समान स्तर पर रखने की स्थिति तक हम आ गये। जबकि शूद्र, गंवार, पशु और नारी ये प्रताडना के नहीं अपितु ये तारन के अधिकारी है। इनका कल्याण होना चाहिए। जिसके लिए पुरूष समाज को विशेष रक्षोपाय करने चाहिए।

भारत की नारी सदा अपने पति में राम के दर्शन करती रही है। हमारे यह सांस्कृतिक मूल्य इस पतन की अवस्था में भी सुरक्षित रहे। मुस्लिम काल में हिंदू समाज के कई संप्रदायों ने महिलाओं को पर्दे में रखना आरंभ कर दिया। यह पर्दा प्रथा मुस्लिम समाज के आतंक से बचने के लिए जारी की गयी। जो आज तक कई स्थानों पर एक रूढ़ि बनकर हिंदू समाज के गले की फांसी बनी हुई है। अंग्रेजों के काल में भी यह परंपरा यथावत बनी रही, अन्यथा प्राचीन भारतीय समाज में पर्दा प्रथा नही थी। आज समय करवट ले रहा है। दमन, दलन और उत्पीडन से मुक्त होकर नारी बाहर आ रही है। यह प्रसन्नता की बात है, किंतु फिर भी कुछ प्रश्न खड़े हैं। नारी के सम्मान के, नारी की मर्यादा के, नारी की गरिमा के और नारी सुलभ कुछ गुणों को बचाये रखने को लेकर। नारी की पूजा से देवता प्रसन्न होते हैं हमारे यहां ऐसा माना जाता है। जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है। इसका अर्थ नारी की आरती उतारना नही है, अपितु इसका अर्थ है नारी सुलभ गुणों, यथा उसकी ममता, उसकी करूणा, उसकी दया, उसकी कोमलता का सम्मान करना। उसके इन गुणों को अपने जीवन में एक दैवीय देन के रूप में स्वीकार करना। जो लोग नारी को विषय भोग की वस्तु मानते हैं वो भूल जाते हैं कि नारी सबसे पहले मां है, यदि वह मां के रूप में हमें ना मिलती और हम पर अपने उपरोक्त गुणों की वर्षा ना करती तो क्या होता। हम ना होते और ना ही यह संसार होता। तब केवल शून्य होता। उस शून्य को भरने के लिए ईश्वर ने नारी को हमारे लिये सर्वप्रथम मां बनाया। मां अर्थात समझो कि उसने अपने ही रूप में उसे हमारे लिये बनाया। इसलिए मां को सर्वप्रथम पूजनीय देवी माना गया। मातृदेवो भव: का यही अर्थ है। आज नारी के इस सहज सुलभ गुण का सम्मान नहीं हो रहा है। नारी मां के रूप में उत्पीड़ित है। किंतु यदि थोड़ा सूक्ष्मता से देखा जाए तो आज वह मां बनना भी नहीं चाह रही है। पुरूष के लिए यह भोग्या बनकर रहना चाह रही है। इसीलिए परिवार जैसी पवित्र संस्था का आज पतन हो रहा है। उसे अपना यौवन, अपनी सुंदरता और अपनी विलासिता के लिए अपने मातृत्व से ऊपर नजर आ रही है। पुरूष के लिए वह भोग्या बनकर रहना चाहती है। खाओ, पिओ एवं मौज उड़ाओ की जिंदगी में मातृत्व को समाप्त कर वह अपने आदर्शों से खेल रही है। आज महिला पुरूष के झगड़े अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे हैं। पुरूष ही नारी की हत्या नहीं कर रहा है अपितु नारी भी पति की हत्या या तो कर रही है या करवा रही है। निरे भौतिकवादी दृष्टिकोण का परिणाम है यह अवस्था।

मां नारी के रूप में जब मां बनती है तो वह हमारे जीवन का आध्यात्मिक पक्ष बन जाती है जबकि पिता भौतिक पक्ष बनता है। जीवन इन दोनों से ही चलता है। हमारे शरीर में आत्मा मां का आध्यात्मिक स्वरूप है और यह शरीर पिता का साक्षात भौतिक स्वरूप। अध्यात्म से शून्य भौतिकवाद विनाश का कारण होता है और भौतिकवाद से शून्य अध्यात्म भी नीरसता को जन्म देता है। नारी को चाहिए कि वह समानता का स्तर पाने के लिए संघर्ष अवश्य करें किंतु अपनी स्वाभाविक लज्जा का ध्यान रखते हुए। निर्लज्ज और निर्वस्त्र होकर वह धन कमा सकती है किंतु सम्मान को प्राप्त नहीं कर सकती है। भौतिकवादी चकाचौंध में निर्वस्त्र घूमती नारी, अंग प्रदर्शन कर अपने लिए तालियां बटोरने वाली नारी को यह भ्रांति हो सकती है कि उसे सम्मान मिल रहा है, किन्तु स्मरण रहे कि यह तालियां बजना, उसका सम्मान नही अपितु अपमान है क्योंकि जब पुरूष समाज उसके लिए तालियां बजाता है तब वह उसे अपनी भोग्या और मनोरंजन का साधन समझकर ही ऐसा करता है। जिसे सम्मान कहना स्वयं सम्मान का भी अपमान करना है।

हमें दूरस्थ गांवों में रहने वाली महिलाओं के जीवन स्तर पर भी ध्यान देना होगा। महिला आयोग देश में सक्रिय है। किंतु यह आयोग कुछ शहरी महिलाओं के लिए है। यह आयोग तब तक निरर्थक है जब तक यह स्वयं ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए ग्रामीण आंचल में जाकर कार्य करने में अक्षम है। नारी सशक्तिकरण का अर्थ है नारी का शिक्षाकरण। शिक्षा से आज भी ग्रामीण अंचल में नारी 90 प्रतिशत तक अछूती है।

कारगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर (कासं)। स्नेह फाउंडेशन के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्थित बियानी कॉलेज में कारगिल दिवस एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संजय बियानी ने की । स्नेह फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. स्नेहलता भारद्वाज ने सर्वप्रथम कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर याद किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेट जनरल मानधाता सिंह रहे व विषिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर करन सिंह, युवा जाग्रति संगठन के अध्यक्ष दौलत त्रिलोकानी, गणपतलाल खुराना, विक्रम सिंह परिहार रहे। राष्ट्रीय कवि किशोरजी पारीक व उनके सहयोगी कवियों ने अपनी देशभक्ति कविताओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में फांउडेशन के संरक्षक हवलदार हरबंसलाल भूटानी ने संस्था के उद्देश्य की विवेचना की व अतिथियों व सभी श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सरस्वती विद्यापीठ सी. सै. स्कूल के सचिव राजेष भारद्वाज, पवन गौड़, नवीन कौषिक, नितेष शर्मा, कौषल झा, रमेष कुमार सैनी, कमलेष गुरनानी, रेखराज चौहान आदि सम्मिलित रहे।

नन्दघर योजना के तहत एम.ओ.यू.

जयपुर (कासं)। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक बनाने एवं सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित महिला एवं बाल विकास की नन्दघर योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक जयश्री ठागरिया तथा एफ.एस.फाउन्डेशन दुर्गापुरा की पूजा खंगारोत में योजना के चतुर्थ मॉडल हेतु 5 वर्ष का एम.ओ.यू. साइन हुआ।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक जयश्री ठागरिया ने बताया कि एम.ओ.यू. के तहत आमेर, जयपुर प्रथम, जयपुर द्वितीय, जयपुर तृतीय, जयपुर चतुर्थ, झोटवाडा एवं सांगानेर शहर के कुल 90 आंगनबाड़ी केन्द्रों में फाउन्डेशन द्वारा प्रथम वर्ष में 30-30 हजार रुपये तथा आगामी 4 वर्षो में 10-10 हजार रुपये प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर व्यय किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि फाउन्डेशन द्वारा पूर्व में भी सांगानेर शहर परियोजना के 11 आंगनबाड़ी केन्द्रों को अडॉप्ट किया गया था।

इस प्रकार एफ.एस. फाउन्डेशन द्वारा जयपुर जिले के कुल 101 आगंनबाडी केन्द्रों को अडॉप्ट किया जा चुका है।

प्रतिभावान बेटियों को 140 स्कूटी वितरित

जयपुर (कासं)। सामान्य प्रशासन मंत्री हेमसिंह भडाना ने कहा कि शिक्षित बेटियों के माध्यम से समाज समग्र रूप में शिक्षित होगा। भडाना अलवर के राजकीय गौरी देवी कन्या महाविद्यालय में आयोजित देवनारायण एवं मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत स्कूटी वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार कर प्रदेश को शिक्षित बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूटी और साईकिल प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्कूटी समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने में नि:संदेह सहायक सिद्व होगी। उन्होंने कहा कि अलवर जिला शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। ग्रामीण अंचल की बेटियां कृषि कार्य में हाथ बंटाकर भी पढाई में अव्वल आ रही हैं, यह एक सुखद पहलू है।

उन्होंने कुल 140 प्रतिभावान बेटियों को स्कूटी वितरित कर देवनारायण योजना के तहत जिले की 91 तथा मेधावी छात्रा योजना के तहत 49 प्रतिभावान छात्राओं को स्कूटी चाबी, कागजात सौंपकर प्रदान की। गौरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार खत्री ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय में रिक्त व्याख्याताओं के पदों को भरवाने का आग्रह किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्रीमती सुधा बहल द्वारा श्रीराम ऑफसैट, जोरावरसिंह गेट, जयपुर में मुद्रित कराकर 8/141 मालवीय नगर, जयपुर-302017 से प्रकाशित।
मोबाईल : 08559873580, 09772222156 ई मेल : womenobserver@gmail.com / womenobserver@yahoo.com

दिल्ली में तीज उत्सवों को दर्शकों की मिली वाहवाही

मयूर नृत्य ने बिखेरा रंग

जयपुर (कासं)। नई दिल्ली में राजस्थान पर्यटन द्वारा आईएनए, जनकपुरी और पीतमपुरा में स्थित दिल्ली हाट में आयोजित छह दिवसीय तीज उत्सव सम्पन्न हुए। इन उत्सवों में राजस्थानी लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों को दिल्लीवासियों और अन्य देशी विदेशी दर्शकों ने बहुत सराहा। बारिश की मनभावन फुहारों के मध्य आयोजित इस सांस्कृतिक संध्याओ में कलाकारों ने दर्शकों से मिली शाबाशी से उत्साहित होकर जबर्दस्त प्रस्तुतिया दी। पर्यटन स्वागत केंद्र, नई दिल्ली की अतिरिक्त निदेशक डा. गुंनजित कौर व सहायक निदेशक आर के सैनी ने बताया कि दिल्ली हाट पीतमपुरा में आयोजित अंतिम सांस्कृतिक संध्या में नई दिल्ली की किरण कुमारी व दल ने घूमर व राजस्थानी नृत्य, अनिशुदीन व दल ने चरी नृत्य, डीग भरतपुर के जितेंद्र पाराशर ने मयूर नृत्य व फूलों की होली, नई दिल्ली की लक्ष्मी देवी व दल ने भवई नृत्य और अलवर के बनय सिंह प्रजापत ने रिंग भवई व लांगुरिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहा। कार्यक्रम का संयोजन अलवर के खेमेन्द्र सिंह ने किया। राजस्थान पर्यटन की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती डा. गुनजीत कौर ने बताया कि लोक कलाकारों के दल ने दिल्ली हाट के अलावा नई दिल्ली के जनपथ स्थित भारतीय पर्यटन कार्यालय में भी शानदार प्रस्तुतिया देकर देशी विदेशी दर्शकों का मन मोह लिया।

राजस्थान पर्यटन को मिला अवार्ड

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और अवार्ड मिला है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास एरो सिटी में आयोजित पांचवे इंटरनेशनल

टूरिज्म कान्क्लेव एन्ड ट्रेवल अवार्ड समारोह में राजस्थान को बेस्ट फेयर एंड फेस्टिवल श्रेणी में यह अवार्ड मिला है।

राजस्थान की ओर से यह अवार्ड राजस्थान पर्यटन स्वागत केंद्र, नई दिल्ली की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती डॉ. गुरजीत कौर ने पूर्व केंद्रीय पर्यटन सचिव विनोद जुत्शी से ग्रहण किया।

करगिल विजय दिवस पर वीरांगनाओं का सम्मान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने कहा कि राजस्थान वो प्रदेश है जहां के सैनिकों ने अपनी जान देकर देश की सुरक्षा को आंच तक नहीं आने दी। मुझे ऐसे प्रदेश की मुख्यमंत्री होने पर गर्व है जहां मातृ भूमि की रक्षा

की खातिर जान की बाजी लगाने वाले सैनिक पैदा होते हैं।

श्रीमती राजे करगिल विजय दिवस के अवसर पर होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम में सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के जवानों ने करगिल की चोटी पर विजयी तिरंगा फहराया था। प्रदेश ही नहीं पूरे देश को इस पर गर्व है। राजस्थान की मिट्टी ही ऐसी है कि यहां रणबांकुरे पैदा होते हैं। यहां की विरांगनाएं पति की शहादत के बाद अपने बेटे को भी सैनिक बनाकर सीमा पर भेजने और उसमें देश भक्ति का भाव भरने में हमेशा आगे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करगिल युद्ध के दौरान केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री के रूप में उन्हें शहीद जवानों के घर जाने और उनकी वीरांगनाओं के दर्द को समझने का पुनीत अवसर मिला। उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर जिले में जाने का उन्हें मौका मिला जहां के जांबाजों ने देश के लिए शहादत दी थी। हमारे जवानों की शहादत को देश ने पूरा सम्मान दिया ताकि उनके परिजनों को यह अहसास रहे कि सैनिकों की शहादत व्यर्थ नहीं गई है।

श्रीमती राजे ने कहा कि हमारी सरकार पूरे प्रदेश में शहीद यात्रा के माध्यम से शहीदों के घर-घर जाकर उनके दुख-दर्द सुन रही है उन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शहीद यात्रा जिस घर तक पहुंचती है वहां शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद परिजनों को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि ईटीवी राजस्थान और नेटवर्क-18 समूह ने करगिल विजय दिवस के मौके पर राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम के माध्यम से उन वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देने का कार्य किया है जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इस कार्यक्रम ने शहीदों के स्वाभिमान, उनके गर्व और अभिमान को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

वूमन्स क्लब ने पौध वितरण कर मनाया तीज उत्सव

जयपुर (वि)। वूमन्स क्लब द्वारा तीज मिलन समारोह के अन्तर्गत जहाँ एक और महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया वहीं दूसरी तरफ़ वृक्षारोपण कर इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ने का संदेश भी दिया।

मालवीय नगर स्थित प्राकृत भारती अकादमी में मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्य सभा सांसद रामकुमार वर्मा, समारोह अध्यक्ष डॉ. रेखा जैन, विशिष्ट अतिथि

स्नेहलता भारद्वाज, कार्यक्रम संयोजक ऋतु लोचन व सह-संयोजक रेखा खींची व दर्शन शर्मा की उपस्थित में राजस्थान जन मंच वूमन्स क्लब से जुड़ी अन्य सदस्यों कविता झा, गायत्री शर्मा, प्रीती जैन, कुसुम शर्मा, आदि महिलाओं एवं छात्राओं ने सावणी तीज मिलन समारोह का भरपूर आनंद लिया। उन्होंने जहाँ एक और मौज मस्ती के साथ सांस्कृतिक समारोह मनाये, वहीं दूसरी तरफ़ पर्यावरण हेतु पौधें भी वितरित किये।

महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद राम कुमार वर्मा ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिये और समाज को पुरानी दकियानुसी सोच से ऊपर उठकर महिलाओं को उनका हक देना चाहिये। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के हितार्थ किये जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। समारोह को विशिष्ट अतिथि स्नेहलता भारद्वाज, रेखा खींची, ऋतु लोचन, दर्शन शर्मा ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाएँ किसी पर निर्भर नहीं है। महिलाओं को पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ सामंजस्य बैठाते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में भी भागीदारी निभानी चाहिये।

समारोह में अतिथियों ने जीव-जन्तुओं की सहायता के लिये राकेश माथुर, भैरू नाथ, गौरव गुप्ता, सीयाराम मीणा, धर्मेन्द्र कुमावत, छोटे लाल, दीपक मीणा, सुरेन्द्र कुमार मेहता, नवीन सैनी, गोपाल पटेल, गजेन्द्र सैनी, पुखराज चारण, अविनाष व चन्द्र मोहन मीणा को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

संस्था की सचिव ऋतु लोचन ने वूमन्स क्लब के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वूमन्स क्लब का गठन महिलाओं में नेतृत्व विकास एवम् सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा हेतु किया गया हैं ताकि महिलाएँ पौराणिक मूल्यों एवं रीति-रिवाजों के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक दुनिया में भी अपने आप को स्थापित कर सकें। कार्यक्रम के अन्त में दर्शन शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैष्णव जार के अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर (कासं)। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की जयपुर जिला ईकाई के विगत दिनों हुये चुनावों का परिणाम चुनाव अधिकारी ललित शर्मा ने घोषित करते हुये - अध्यक्ष जे.के. वैष्णव, उपाध्यक्ष (दो पद) सुश्री रेणु

शर्मा व श्री चन्द्रशेखर त्रिशुल, महासचिव संदीप गोयल, सचिव (दो पद) विकास वर्मा व मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र मित्रुका व कार्यकारिणी सदस्य रेखराज चौहान, आकाश शर्मा, सुभाष शर्मा, सुश्री रूचि अग्रवाल, चौथमल भगेरिया, सुश्री करिश्मा कुमावत, भूपेन्द्र सोनी, संजीव कुमार माथुर, रामदेव उपाध्याय व देवेन्द्र गर्ग को विजय घोषित किया व सत्र 2017-18 के कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।